पाठ-4

बारिश में गांव

प्रश्नों के उत्तर लिखिए

क लेखक को अपना गांव दूसरी तरह से कब याद आता है?

उत्तर- लेखक के गांव की हालत बहुत ही खराब थी। अधपक्की-सी सड़क, धूल तथा मिट्टी से भरी कच्ची गलियां, कच्चे मकान आदि लेखक के मन में रचे बसे थे इस कारण लेखक कहते हैं कि गांव मुझे दूसरी तरह से याद आता है।

ख बच्चे बरसात के मौसम में स्कूल कैसे जाते थे?

उत्तर- बच्चे भीगते-भीगते, फिसलते, उठते-गिरते कक्षा में पहुंचते थे। वे वहां बैठे-बैठे ही सूखते रहते थे।

ग लेखक ने किसको उफनती नदी में कूदने की चुनौती दी थी?

उत्तर- लेखक ने अपने मित्र को उफनती नदी में कूदने की चुनौती दी थी।

घ लेखक का मित्र बहता-बहता कहाँ जाकर अटक गया?

उत्तर- लेखक का मित्र बहता-बहता एक खजूर के पेड़ में जाकर अटक गया।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए

क बारिश के मौसम में गाँव कैसा हो जाता था?

उत्तर बारिश के मौसम में गांव की हालत खराब हो जाती थी। गांव की कच्ची गलियों में छोटी-छोटी नदियां बह निकलती थी। गली में मिट्टी छन जाती थी। हर तरफ कीचड़-कीचड़ हो जाता था।

ख बारिश में स्कूल की इमारत की अग्निपरीक्षा से लेखक का क्या तात्पर्य है?

उत्तर- बारिश में स्कूल की इमारत की अग्निपरीक्षा से लेखक का यह तात्पर्य है कि यह जीर्ण-शीर्ण (जर्जर) अवस्था वाली इमारत गिर जाएगी या बचेगी- यह बरसात में ही तय होता था।

ग बारिश आने पर प्रकृति पर क्या प्रभाव पड़ता था?

उत्तर बारिश आने पर गांव में हरियाली बहुत बढ़ जाती थी जिससे वह और भी खूबसूरत हो जाता था घास पेड़ पौधे देखकर मन प्रकृति से जुड़ जाता था।

घ बिच्छू द्वारा काटने की बात लेखक ने घर में क्यों नहीं बताई?

उत्तर घर में डांट पड़ने के डर से लेखक ने बिच्छू द्वारा काटने की बात नहीं बताई।

ङ 'तब पिता लोग हर मौसम में थप्पड़ जड़ दिया करते थे।' इस पंक्ति के प्रकाश में तब के पिता और आज के पिता की सोच में क्या अंतर दृष्टिगोचर होता है?

उत्तर - तब के पिता बेहद सख्त और अनुशासन पसंद करते थे, जबकि आज के दौर में बच्चों के साथ सख्ती करना अच्छा नहीं माना जाता।